



UA-0041-R
Second Year B. A. Examination
February/March – 2012
Hindi Compulsory

Time : Hours]

[Total Marks : 70

सूचना :

(9)

<p>नीचे दृशविले निशानीवाणी विगतो उत्तरवही पर अवश्य लभवी. Fillup strictly the details of signs on your answer book.</p> <p>Name of the Examination : S. Y. B. A.</p> <p>Name of the Subject : Hindi Compulsory</p> <p>Subject Code No. : 0 0 4 1 Section No. (1, 2,.....): NIL</p>	<p>Seat No. : <input type="text"/><input type="text"/><input type="text"/><input type="text"/><input type="text"/><input type="text"/></p> <div style="border: 1px solid black; border-radius: 15px; padding: 10px; text-align: center; width: 100%;">Student's Signature</div>
---	---

(2) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाए गए हैं।

- | | | |
|---|---|----|
| 9 | उपन्यास कला की दृष्टि से 'निर्मला' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। | 92 |
| | अथवा | |
| 9 | निर्मला का चरित्र-चित्रण कीजिए। | 92 |
| 2 | 'बाप-बेटा' कहानी में लेखक ने एक लाचार, बेबस, मजबूर, पिताकी वेदना, छटपटाहट और मनोद्वन्द्व का सुन्दर एवं' मार्मिक चित्रण किया है।' इस कथन की तर्कसंगत पुष्टि कीजिए। | 92 |
| | अथवा | |
| 2 | गजाधरबाबू का चरित्र-चित्रण कीजिए। | 92 |
| 3 | (अ) टिप्पणीयाँ लिखिए : | 2 |
| | (9) बाबू उदयभानुलाल। | |
| | अथवा | |
| | (9) 'निर्मला' शीर्षक। | |
| | (2) 'भोलाराम का जीव' कहानी में व्यंग्य। | |
| | अथवा | |
| | (2) 'ममता' कहानी का सार। | |
| | (आ) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : | 2 |
| | (9) आजतक जो महारानी इतनी खुश दिखायी देती हैं, इसका रहस्य अब समझ में आया। | |

अथवा

1

UA-0041]

[Contd...

(१) नहीं निर्मला, उसका मूल्य अब मेरी निगाहों में बहुत बढ गया हैं। आज तक वह मेरे भोग की वस्तु थी, आज से वह मेरी भक्ति की वस्तु हैं।

(२) मार दे। मेरी जान निकाल दे। मैं अपना टिक्का लिए बिना नहीं छोड़ूंगा। मार-मार, और मार.....।

अथवा

(२) हुजूर गरीब हैं। कुछ घण्टों की बात है, सवेरा होते वह भी अपना रास्ता लेगी; हुजूर को भी तशरीफ ले जाना हैं।

४ संज्ञा की परिभाषा देते हुए संज्ञा के भेदोंपभेद का परिचय दीजिए। १५

अथवा

शब्द की परिभाषा देते हुए उसके भेदों की चर्चा कीजिए। १५

५ (अ) निम्नलिखित अंग्रेजी अथवा गुजराती परिच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। १०

If it is better to save life then to destory it, then loud and honour should be given to those patient-scientific investigators whose studies have shown how to lessen human suffering and prevent the spread of fatal diseases. Before a disease can be prevented it must be understood, there must be a knowledge of its nature and mode of transmission if a sure remedy is to be found and that knowledge is obtained by the man of Science, whose work meets with little encouragement either officialy or publically and is usually without reward.

(अ) જો જિંદગીનો નાશ કરવા કરતા તેને બચાવવું વધારે સારું હોય તો પછી ધૈર્યવાન શોધકોને પ્રશંસા અને માન આપવું જોઈએ' કે જેમના અભ્યાસોએ બતાવ્યું છે કે - માનવવેદનાને કેવી રીતે ઓછી કરવી અને કેવી રીતે મરણતોલ રોગોને ફેલાતા અટકાવવા જોઈએ. રોગને રોકતાં પહેલાં તેને સમજવો જોઈએ. જો રોગનો ચોક્કસ ઇલાજ શોધવો હોય તો રોગની પ્રકૃતિનો અને તેના ફેલાવાની રીતો વિશે જ્ઞાન હોવું જોઈએ અને તે જ્ઞાન ફક્ત વૈજ્ઞાનિકનું કામ જાહેર કે સરકાર બંને થોડી માત્રામાં પ્રોત્સાહિત પામે છે અને તે સામાન્ય રીતે બદલા વગરનું હોય છે.

(आ) निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : ५

- (१) अन्तिम निष्कर्ष क्या हैं।
- (२) कुष्ण के अनेको नाम हैं।
- (३) उसने भाषण दिया।
- (४) ये फूलों में गुलाब नहीं हैं।
- (५) मैं मेरी पुस्तक पढता हूँ।